छोटे लड़के ने मूत कर एक बड़ा युद्ध रोका!

व्लादिमीर

छोटे लड़के ने मूत कर एक बड़ा युद्ध रोका!

क्या आप जानते हैं कि एक छोटा लड़का
एक बड़े युद्ध को रोक सकता है!

कैसे?

उसकी दिलचस्प कहानी पढ़ने के लिए
इस पुस्तक के पन्नों को पलटें!

बहुत लंबे समय पहले, ऊंची पत्थर की दीवार के पीछे एक छोटा और सुंदर शहर था.

वो देखने में ऐसा लगता था.

उस शहर में अपने माता-पिता के साथ

एक छोटा लड़का रहता था.

माता-पिता उसे बहुत प्यार करते थे.

माँ उसे हर समय चूमती

और पुच्ची देती थी.

और पिता दिन भर अपने

बेटे के साथ खेलते थे.

हर सुबह छोटा लड़का अपने माता-पिता के साथ

फूल वाले बाज़ार में घूमने जाता था.

वाह! कितने सुंदर फूल थे!

वाह! कितना सुंदर जीवन था!

वे सभी बड़े खुश थे.

लेकिन फिर बहुत बुरा हुआ.
युद्ध!
दुश्मन, सुंदर शहर को
नष्ट करने आए.
शायद उन्हें उस शहर की
सुंदरता से जलन हो रही थी.
ओह, कितना भयानक युद्ध था.
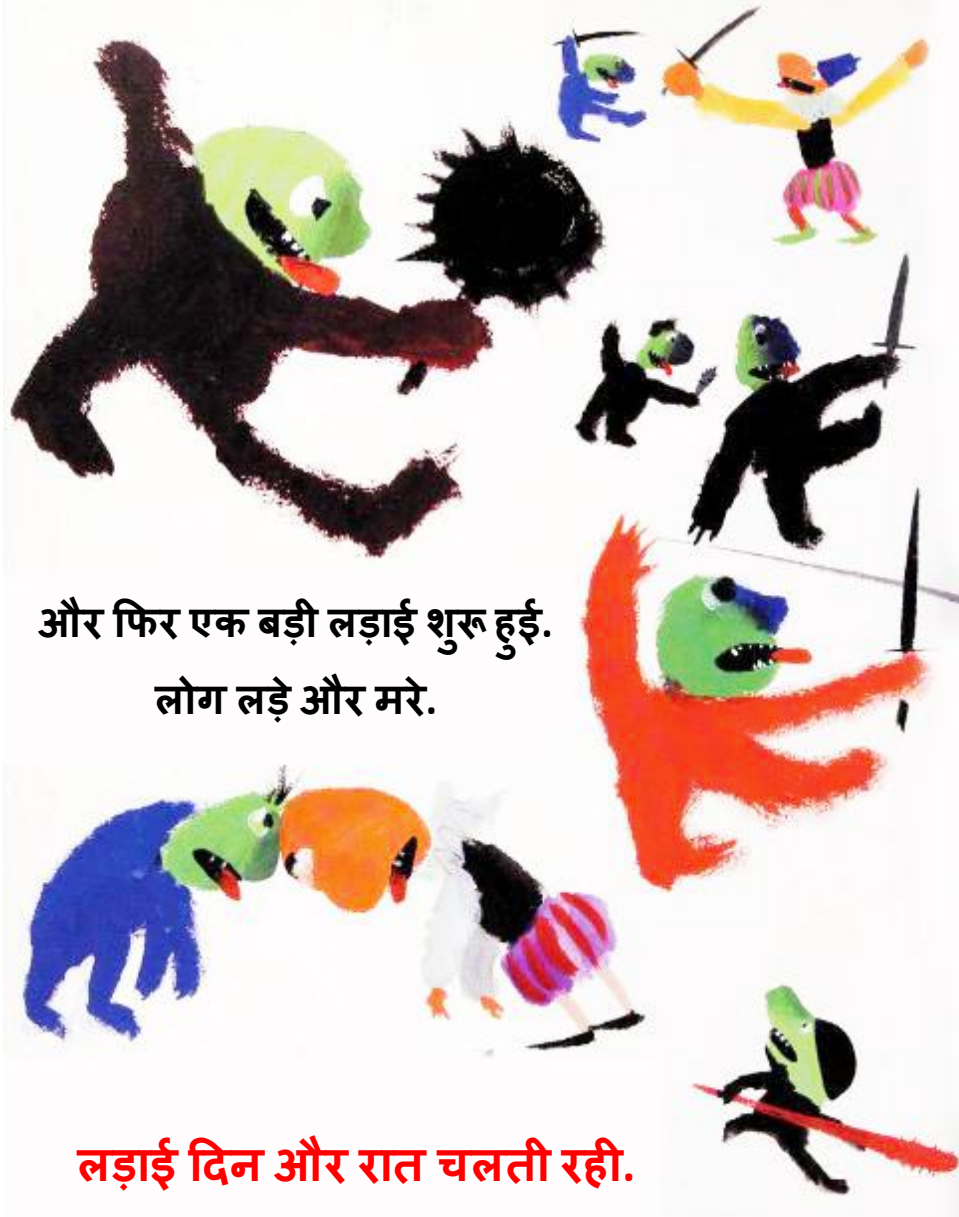
और फिर एक बड़ी लड़ाई शुरू हुई.
लोग लड़े और मरे.

लड़ाई दिन और रात चलती रही.

शहर एकदम उदास हो गया.

गलियों में अब कोई बच्चा नहीं खेलता था.

बाजार में अब सुन्दर फूल नहीं थे.

कोई हंसता तक नहीं था.

छोटा लड़का अब बेहद उदास था.

उसके साथ खेलने के लिए अब पिता नहीं थे.

उसे चूमने के लिए माँ नहीं थीं.

वे कहाँ गए?

उसने उन्हें बुलाने की कोशिश की,

लेकिन कोई भी नहीं आया.

लड़के ने चारों ओर देखा.
लेकिन सभी तरफ लड़ाई चल रही थी,
शहर की ऊंची दीवार पर भी.

चारों तरफ तोपों, बंदूकों की
बैंग-बैंग, बूम-बूम का शोर था.

क्लिंग-क्लैंग!

बेचारा गरीब छोटा लड़का! वो बहुत डरा था.
उसे अपने माता-पिता की बहुत याद आ रही थी.
लेकिन उससे ज्यादा उसे जरूरत थी .....

.....तुरंत पेशाब करने की!
वो अब और अधिक इंतजार
नहीं कर सकता था ......
फिर वो वहीं खड़ा होकर पेशाब करने लगा!
बूम और बैंग्स और क्लिंग और क्लैंग
पर उसका मूत नीचे जाकर गिरा.
उसने बाईं ओर मूता,
और फिर उसने दाईं ओर मूता!
कृपया उसे माफ़ कर दें!
वो सिर्फ एक छोटा लड़का था.
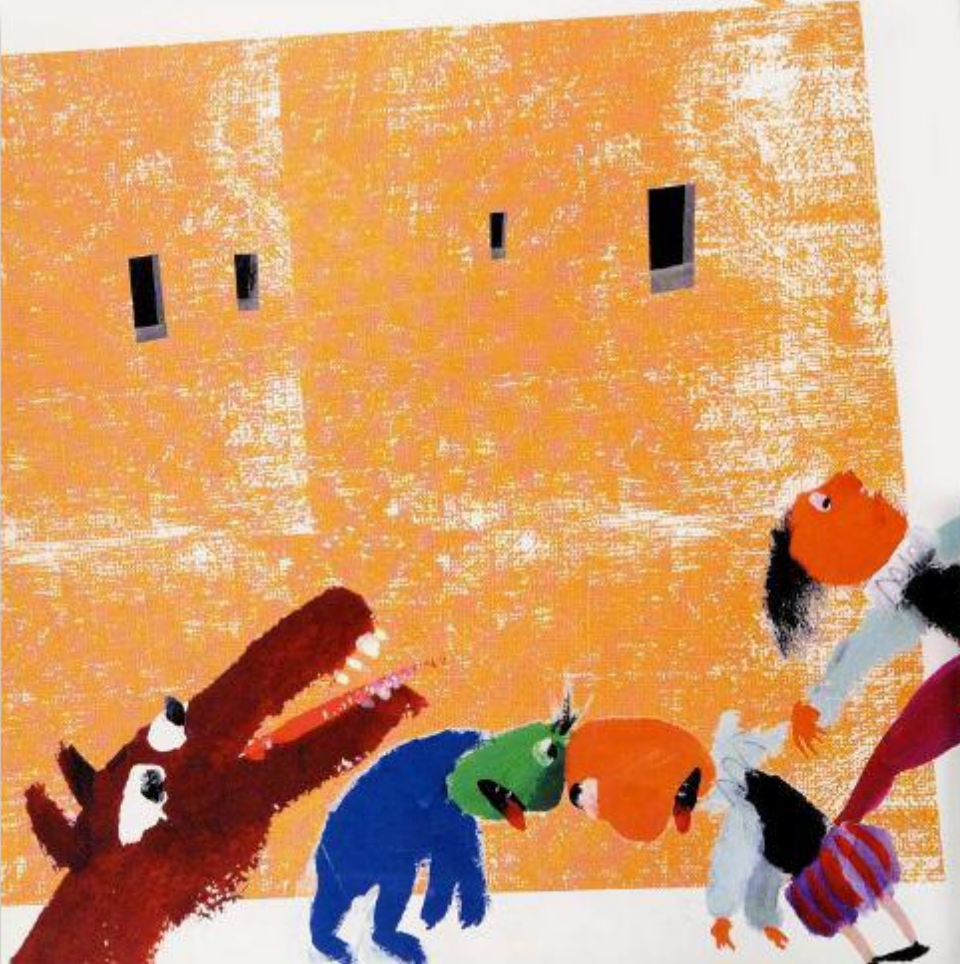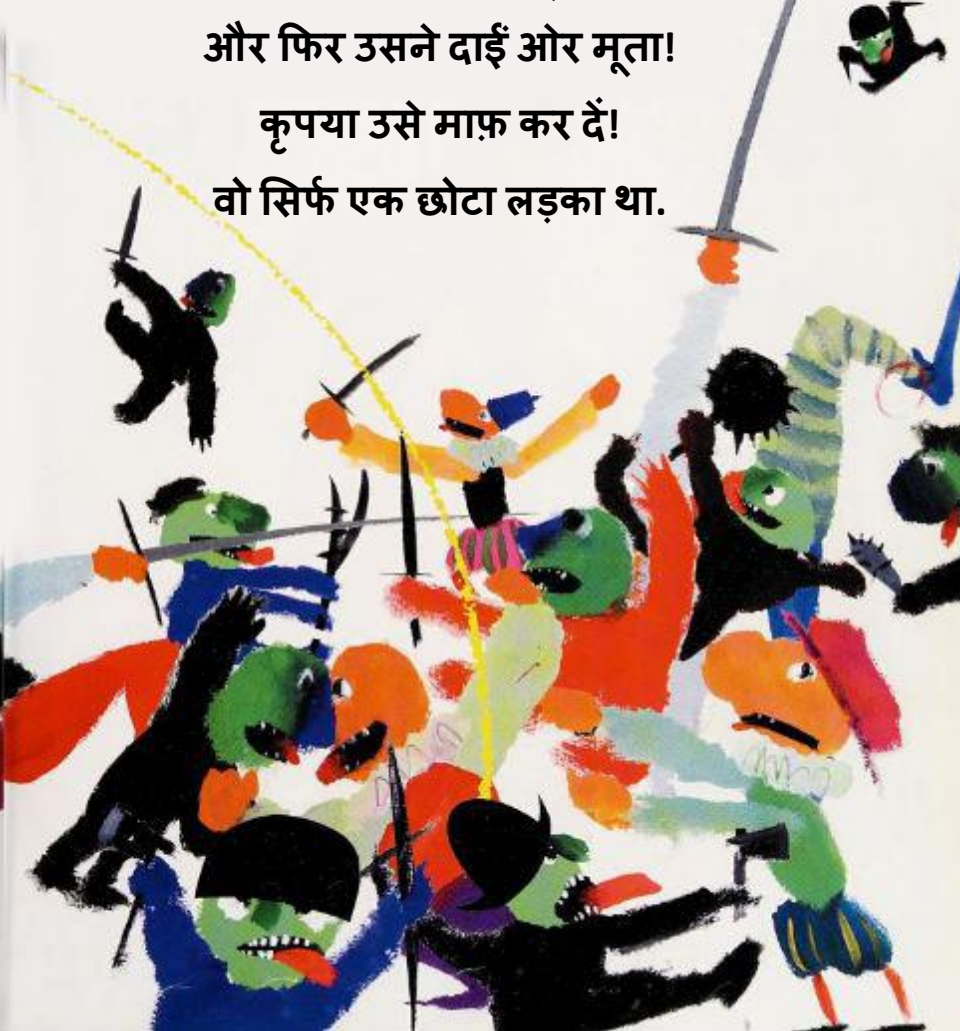
अचानक सब कुछ थम गया!

फिर कोई हँसा.

हा-हा! हा-हा!

हो-हो, हो-हो

ही-ही, ही-ही
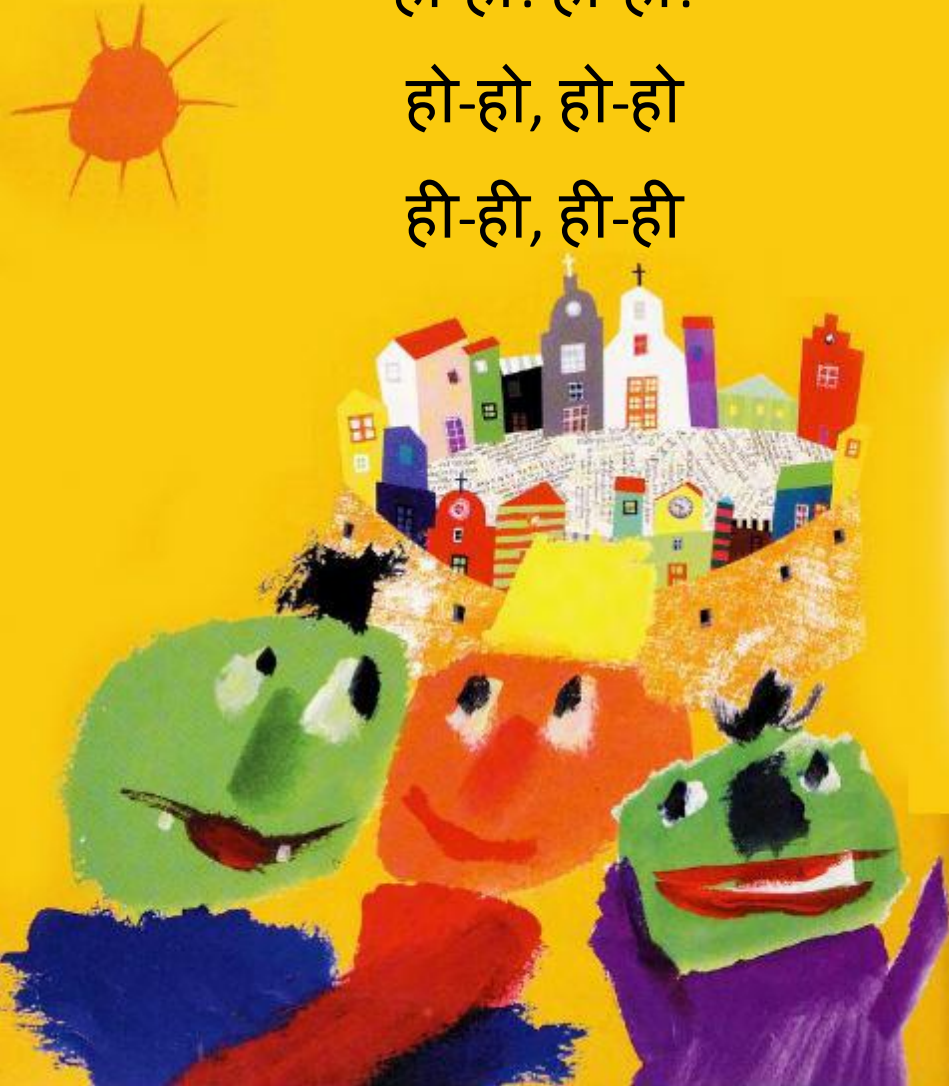
कुछ समय के बाद,

शहर की दीवार के चारों ओर लोग हंस रहे थे.

वे हंस रहे थे, हंस रहे थे.

हंसी का यह दौर लगातार चलता रहा.

अंत में सूरज ढल गया.

आसमान में पहला सितारा बाहर निकला.

फिर लोग हँसते-हँसते इतने थक गए

कि वे अपने हथियार ज़मीन पर गिराकर सो गए.

जब वे अगली सुबह उठे, तो युद्ध बंद था. क्यों?

उसका कारण था वो अद्भुत छोटा लड़का.

हुर्रे!

उपसंहार

उसके बाद छोटे लड़के को अपने माता-पिता वापिस मिले.

वे अब फिर से बहुत खुश थे.

शहर के सभी लोग उस छोटे लड़के से प्यार करने लगे.

लोगों ने उस लड़के की एक कांस्य प्रतिमा बनाई

ताकि उनके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी,

उसे हमेशा याद रखें - उस छोटे लड़के को

जिसने मूतकर युद्ध बंद किया था.

उन्होंने उस प्रतिमा का नाम रखा

मन्नकेन पिस

जिसका मतलब होता है "मूतने वाला लड़का"

यह सब बहुत पहले ब्रुसेल्स नाम के शहर में हुआ!

ब्रुसेल्स, बेल्जियम देश की राजधानी है.

मुझे आशा है कि तुम भी वहाँ एक दिन ज़रूर जाओगे और अपनी आँखों से उस पुतले को देखोगे.

अब क्योंकि तुम पूरी कहानी जानते ही हो, इसलिए तुम उसे अपने बच्चों को भी सुनाओगे, जिससे वे कभी इस कहानी को अपने बच्चों को बताएं, और वे अपने बच्चों को, और इस तरह यह कहानी आगे फैले.

अंत

लोगों ने उसकी एक कांस्य प्रतिमा बनाई

और उसका नाम रखा

मैनकैन पिस

और यह बहुत पहले हुआ!